

DPN 6390

Title :

1. त्रैलोक्यमंगलसूर्यकवच / 1. TRAILOKYAMAṆGALASŪRYAKAVACA  
2. त्रिपुरसुन्दरी पूजा विधि / 2. TRIPURASUNDARĪ PŪJĀVIDHI

Run. No. 7081 *stotra*.

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Hymn / Vihā*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. *24 x 13*

Folios *12*

Lines (in a page) *10/11*

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : *together with Tripurasundarī-  
pūjāvidhi*

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu *yellow*

Condition : fine / *damaged* by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :



Beginning:-

१. अथ त्रैलोक्य मङ्गल सूर्य कवच ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री सूर्य उवाच ॥  
सास्वसास्व सदावाही शृणु मे कवचं शुभम् ॥ त्रैलोक्य मङ्गलं नाम  
कवचं परमाद्भुतम् ॥१॥

२. श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ आचमनं वाच ॥ ॐ स्वात्मतत्वाय स्वाहा ॥  
स्त्री वियातत्वाय स्वाहा ॥ ... बालार्कमण्डलाभाए चतुर्विह्व त्रीलोकना  
पासां द्रु स सरश्चापं धारयन्ति सिवां भजे : ध्यानपुष्पं नमः ।

Conclusion:-

१. ॥ सिद्धिर्बो जायेत तस्य कल्पकोटि शतं रपि ॥१८॥ इति श्री ब्रम्हणा मने  
तन्त्रे त्रैलोक्य मङ्गल श्री सूर्य कवचं संपूर्णः ॥

२. ...



2.5

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॥ आचमनयाय ॥ ॐ आत्मतत्त्वाय स्वा  
हा ॥ ॐ विद्यातत्त्वाय स्वाहा ॥ ॐ सिवतत्त्वाय स्वाहा ॥ न्यासयाय ॥ दक्षीणे  
गणपतिनमः ॥ वामे गुरुवे नमः ॥ अग्रे श्रीस्वयं देवताय नमः ॥ ॐ अवायफ  
ट ४ चाकईयकारी दोहा सदाय ॥ ॐ अंगुलाभ्यां नमः ॥ ॐ तर्जनीभ्यां नमः  
ॐ मध्यमाभ्यां नमः ॥ ॐ मूलाभ्यां नमः ॥ ॐ कनिष्ठाभ्यां नमः ॥ ॐ कर  
तरपुलिकाभ्यां नमः ॥ ॐ हृदयाय नमः ॥ ॐ सिरस्ये स्वाहा ॥ ॐ सिरसाय वौख  
त ॥ ॐ कवचाय ॥ ॐ अस्ताय फट ॥ मोनिमूढांदरसे ॥ नाथाना पूजा ॥ गी  
गायनमूनाय नमः सरस्वतिनमः आवाहनचंद्रनाभस्तपुस्यं नमः चैनुमूढा  
दर्से आत्मा शिंचय नमः ॥ कपारे हाये ॥ अर्घ्यं सर्वपुजाः ॥ ॐ व्यापकमहादेवा  
य नमः ॥ अग्निमहादेवाय नमः ॥ ॐ सूर्ये मंदराय नमः ॥ संखसईथे ॥ नाथ



गु॥ गीगोत्रमूनाचैवगोदावरीसरस्वनरवदासिंधुकावरीजलस्त्रीसंनिधीकु  
 म॥ नेखेत्रतय॥ अर्घ्यसंसे मेदसायनम॥ संखस॥ वरुनादेवीन  
 म॥ वायाताने॥ त्रीयोत्रही ताने॥ है॥ सौ॥ श्रीवालात्रीपुरसुंद  
 रीदवीश्रीजलपात्रसनाय पादुकोपुजयामीनम॥ संख  
 स॥ इथेसंखपात्रचाय॥ खेदग॥ है॥ हृदयायनमः सौ॥ सि  
 रसेत्याहाः सौ॥ सिखायकोखतः है॥ कवचायहै॥ श्रीनेत्रवयायकोखतः सौ॥  
 अष्टायपदभावाहनचंदनासेतपुष्पानम॥ वेनुमुद्रां संखमुद्रां रसेया॥  
 गायत्री॥ अर्घ्यसंखस॥ योगुस्वांनसहाइहाय॥ है॥ श्रीपुरादेवीवीरमहे  
 श्रीकामेस्वरीधीमहे॥ सौ॥ तने॥ श्रीनेत्रचोदयार्॥ छककपालेहायः॥ पात्र  
 पुजाहै॥ यापकमंदसायनम॥ है॥ अग्नीमंदसायनमः है॥ सूर्यमंदसायनम

देवातयोगुस्वाकायानाथने॥ है॥ सौ॥ नम॥ संसेमंदसायनम॥ है॥ सौ॥  
 पू॥ है॥ सौ॥ वरनायनम॥ है॥ सौ॥ श्रीवालात्रीपुरसुंदरीदवीश्रीअर्घपात्रसना  
 यपादुकोपुजयामीनम॥ है॥ ग॥ जोनीमुद्रांदरसे॥ तपनश्रीनाथायन  
 म॥ श्रीसिंधीनाथायनम॥ श्रीश्रीपुरनाथायनम॥ देवायोगुस्वाकिजका  
 यावकपालसताने॥ श्रीगुरुभोपादुकोपुजयामीनमतर्पयामीनमः पर  
 मगुरुभोपादुकोपुजयामीनमतर्पयामीनमः परमाचार्यगुरुभोपादुकोपुज  
 यामीनमतर्पयामीनमः परमेश्वीगुरुभोपादुकोपुजयामीनमतर्पयामीन  
 म॥ अत्मपुजाः है॥ चंदननितिय श्रीअशोतनमः सौ॥ सिंधुरंनमः है॥ है॥ सौ॥  
 पुष्पानम॥ अर्घपात्रस॥ मोदगुत्तरहायकपालेसौ॥ पादुकां॥ गणेशपुजाः आ  
 चमनइथे॥ यास॥ गौशुसायक॥ जो॥ अंगुकापोनम॥ जो॥ तजनिभ्योनम॥ जो॥



25

20

15

मयेमा नमो नमो अनामीका नमो नमो करतर पृथिका नमो  
 नमो ॥ सहाश्रितो ॥ मुसासनाय नमो ॥ गोपतय नमो नमो ३ वदंग ६ आवाहण  
 चंदनाक्षत पुष्प नमः गजमुद्रां दरसे ॥ जाप ॥ गोस्वाहा १० इदं जपं गृहान स्वाहा  
 आचमन ॥ हो अवायकत ४ हो अंगुष्ठा नमो नमो हो तर्जनी नमो नमो हो मधेमा  
 नमो नमो हो अनामीका नमो नमो हो कनिष्ठा नमो नमो हो करतर पृथिका नमो नमो  
 अस्वासनाय नमो हो श्रीसूक्तय नमो ३ वदंग ६ आवाहन चंदनाक्षत पुष्प न  
 मः मजमुद्रां दरसेय ॥ हो स्वाहा १० इदं जपं गृहान स्वाहा ॥ आचमन ॥ हो अवा  
 यकत ४ हो अंगुष्ठा नमो नमो हो तर्जनी नमो नमो हो मधेमा नमो नमो हो अना  
 मीका नमो नमो हो कनिष्ठा नमो नमो हो करतर पृथिका नमो नमो ॥ गहस  
 नाय नमः हो सनारायनाय नमः ३ वदंग ६ आवाहन चंदनाक्षत पुष्प नमः

10

5

सर्वमुद्रां दरसेय ॥ जाप ॥ हो स्वाहा १० इदं जपं गृहान स्वाहा ॥ आचमन ॥  
 न्यास ॥ हो अवायकत ४ हो अंगुष्ठा नमो नमो हो तर्जनी नमो नमो हो मधेमा नमो  
 नमो हो अनामीका नमो नमो हो कनिष्ठा नमो नमो हो करतर पृथिका नमो नमो  
 नमो ॥ अस्वासनाय नमो ॥ हो नमः सिवाय नमः ३ वदंग ६ आवाहन चंदनाक्षत पु  
 ष्प नमः श्रीसूक्तय नमो हो मुद्रां दरसेय ॥ जाप ॥ हो स्वाहा १० इदं जपं गृहान स्वा  
 हा ॥ हो ॥ हो रमपरम देव का र्थ सि धी धी नाय के सो ना गो र प संप नो दे  
 हि मे सुख संपदः रक्तवर्ण महातेज रक्त पद्म सुधारनी स प्राप्ते रथ मारु र्थ गृह  
 राजो नमामेहं ॥ जसेहसे गदा चक्रं मृगस्तु यस्मै वाहनी सुमेरु करोति कल्पानी  
 यमना भोजार्तिनीः सिर्वी सिर्व करं सांती सिवात्मा र्ती सिवोत्तमं सिवमार्ग प्रमेता

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40



25

20

15

10

5

0

नंपुनमा मिसदाशिवं मुख वादेयु ॥ मुखस्थानपुना ॥ आचारसती कमलासना  
 यपाङ्कां ॥ श्रीखंडामुद्रानस्वांजोने ॥ माहापद्मनांतस्थेकारनां नंदविगृहेस  
 र्वभुतहृदयमातरदेहिपरमेस्वरि अस्मीमंदलेस्मानिधेनीत्यकूकूस्वाहा ॥  
 ध्यानवावालाकर्मरादलाभासाचतुर्वाहुत्रीलोचनाःपासांकूससरआर्पधा  
 रयंति सिंहांभजेः ध्यानपुष्पंनम ॥ है श्रीं सौं वालात्रीपुर्जंदरीदेवीः इहोगध  
 इहोतिष्ठ २ अकरतिअगुबंधनीधेनुमुद्रांदरसेजोनिमुद्रांदरसे ॥ सलार्थीय  
 ओं श्रीं सौं है हंसकौं श्रीं ओं है श्रीं सौं वालात्रिपुरसुंदरिदेवीर्वहीचैतन्यायेह  
 दयायनमसंखअर्घाहाडा है श्रीं सौं वालात्रीपुरसुंदरिदेवीपादार्चनम  
 हलारचै नमस्तानंनमः अलीस्तानंनमः है चंदनंनमः श्रीं अक्षोतनमसौं सि

पुरंनमः है श्रीं सौं पुष्पंनमधुधनमदिपनमनैवीदेनम ॥ त्रीयांजली है श्रीं सौं  
 श्रीवालात्रीपुरसुंदरीदेवीश्रीपाङ्कांपुजयामीनम ३ देतातर्पनदेवासचोंगुस्वा  
 कायावतर्पन ३ स्वांकटी २ याडाववली ३ खदीग ६ आवाहनचंदनाक्षेतपु  
 स्पेनमः धेनुमुद्रांजोनिमुद्रांदरसयत्थतातर्पनमम्राचमन ॥ पंचप्रेतास  
 नायपाङ्कांः कर्कलुह्रीं हंसकलुह्रीं सकलुह्रीं श्रीमहात्रीपुरसुंदरीदेवीपा  
 ङ्कांपुजयामीनम ३ तर्पनखली ३ खदीग ६ आवाहनचंदनाक्षेतपुष्पंनम  
 धेनुमुद्रांजोनिमुद्रांदरसेः तर्पन ॥ आचमन ॥ रत्नपद्मासनायपाङ्कांः ह  
 सै हंसकलुह्रीं हंसौं श्रीमहात्रीपुरभैरवीदेवीश्रीपाङ्कांपुजयामीनम ३ त

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40



२५  
 २०  
 १५  
 १०  
 ५  
 ०

र्चन ३ वली ३ अक्षर ३ आवाहन चंदनाक्षेतपुष्पनमः॥ धेनुमुद्रां जोनीमुद्रां द  
 सयः तर्पनथता॥ आचमनमसिंहासनाय पादुकां स्नेहासनाय पादुकां सू  
 भासनाय पादुकां निरुभासनाय पादुकांः शीघ्राजली॥ ॐ ह्रीं राजपते हसक  
 र्चिं गुचंदेन पुमर्दनीर्जं प्रेसदारक्षरक्षात्वां मां तु समत्पूहरे श्रीगुचंदा  
 देवी श्रीपादुकां पुजयामी नमः ३ तर्पयामी नमः ३ वली ३ अक्षर ३ आवाहन  
 चंदनाक्षेतपुष्पनमः धेनुमुद्रां जोनीमुद्रां दसयः तर्पनथता॥ आचमन  
 पमासनाय पादुकां॥ ॐ ह्रीं सौं कइतही हसकइहि सकलही वं लुच  
 १५ १० ५ ०

१०  
 ५  
 ०

तायी श्रीपादुकां पुजयामी नमः ३ तर्पन ३ वली ३ आवाहन चंदनाक्षेतपु  
 ष्पनमः॥ तर्पनथता॥ पंचवलीवीय॥ वां वातुकनाथाय वलीघनघन  
 स्वाहा शोक्षेत्रपासाय वलीघनघन स्वाहा र्जां जोगी निम्नो वलीघन  
 घन स्वाहाः ॐ ह्रीं राजपते हसक र्चिं श्रीसिंभी चामुं देसोरी देवी वली  
 घन घन स्वाहा॥ वौं होयं के॥ गों जनपते न्यो वली घन घन स्वाहा॥ देवा स  
 योगु स्वां व मेगु स्वां न पां जो ना वली हाय के॥ ॐ ह्रीं सर्व विघ्न क्तो न्यो सर्व  
 भूते न्यो सर्व पीसा न्यो न्यो सर्व राक्षसे न्यो सर्व अकास चारने न्यो सर्व इष्ट  
 देवते न्यो इमां पुजां वली घन घन स्वाहा॥ आवाहन चंदनाक्षेतपुष्पनमः॥  
 श्रीसतय॥ जोनीमुद्रां दसयः॥ तर्पन॥ धुपं नमदीर्घनम इदं ने विघ्न नम



जाप॥ देपालाहातस श्रीका... या॥ चंदनपुष्पभक्षततया॥ ऐं ह्रीं सौं स्वाहा १०  
 कयईत ह्रीं हसकल ह्रीं स'कल ह्रीं स्वाहा १० हसै हसकल ह्रीं ह सौं स्वाहा १०  
 ह्रीं स्वाहा १० ऐं ह्रीं सौं स्वाहा १० इदं जपं गृहान स्वाहा॥ जवेमं दल दयके  
 ५ पुचकी गतय श्री स्वां की ग का या वसो नयो ने॥ अखं दमरादला कारं व्या  
 प्रजेत चराचरं तरपदं दसिं तयेन तस्मै श्रीगुरुभ्य नम॥ श्रीमार्कं देय विप  
 दमघता गुगुहा यावताः चक्रेयस्प प्रचुरा निषतो बल विबल कल्प देवो भोद  
 प्रभाव प्रमूदीर सीर लोचनार्थ प्रभावः सौख्यं दिव्यां भवतु भवता श्रीसूर्यर्षदीका  
 या॥ सा देवी मधुकैत प्रमथनीया चंदमुंदा दिनीया माया लईखा सुरदेय

या सूरवनी सूरवदेते दनिया देव देवा श्रीया सा देवी  
 तु माया कुंदल नी की या मधुमती काली कलामा  
 गवति देवी सिवा सांभवि सक्ती स्वकलवल भावी  
 ह्रीं काली श्रीपुष्प परपरमई माता कुमा मते सिअ  
 म तस्मात् कार न भावेन रक्षे रक्षे मां परमे श्व  
 गुरु ३ थर्म आचमन तर्पनः॥ आवाहन न जा  
 वेवन जा नामि भो मश्व परमे स्वरीः नमस्का  
 ऐं ह्रीं सौं ऐं ह्रीं सौं ऐं ह्रीं सौं ह दयाय नम  
 ग का या वला हा पुइ का वली संतया॥ देपाल



ता जय भूता विष्णु कर्ता ईते न सिं तु  
ऐवासा दि पते व सने नम ई कु न  
नम सिने ताने ॥ श्री गमात्री के भो नम ॥ न्येति  
मुद्रा रसयेत् ॥ गंगा यनम जमुना यनमः सरस्वति न  
पुष्प नमः धेनु मुद्रा रसयेत् ॥ आत्म सिंचयनम ॥ कपा  
पूजा ॥ ऐव्यापक मंदलाय नमः ॥ ऐव्यनीर्मंदलाय नमः  
सा ईये ॥ षट् गताने ॥ ऐह दयाय नमः ॥ श्री सिरसे



खाहा॥ सौं सिखायवो खत॥ ऐकवचायहु॥ कौं नेत्रव्यायवो



25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40









20. 11. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 8



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥  
 कथं वदामि ते भक्तियोगं श्रद्धावान् ॥  
 ध्यायेत्तु मया प्रोक्तं पञ्चभूतधारिणम् ॥  
 तदा मुक्तिरश्नुते सर्वत्र भगवतो यथा ॥  
 अहं ब्रह्मा ह्यग्रणी ब्रह्माकुलधनुर्धरा ॥  
 इति मे श्रुत्वा योगीन् प्रपन्नान् सनातनः ॥  
 परमं हितं विद्वान् साक्षात्कृत्य महात्मनः ॥  
 उवाच ॥ शशिर्बालकः स गङ्गां धारयतीति ॥  
 त्वमेव ब्रह्मा सर्वज्ञः परमहंस दशार्जुन ॥  
 देहि मां त्वैवेत्युक्त्वा शिरसाक्षरमुदीरितम् ॥  
 अष्टाक्षरीं संज्ञां प्रदिशद्ब्रह्मात्मनो यदा ॥



25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥